विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 23 जूलाई 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

याद कीजिए

स्मरणीयम्

1. वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है
2. संस्कृत भाषा में शब्दों को चार भागों में बाँटा गया है - नाम, आख्यात, उपसर्ग, निपात।
3. संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण आदि नाम शब्द का लाते हैं।
4. क्रिया शब्द आख्यात कहलाते हैं।
5. संज्ञा आदि शब्दों या धातुओं से पूर्व जुड़ने वाले शब्द उपसर्ग कहलाते हैं।

6. नाम, आख्यात व उपसर्ग विकारी शब्द हैं। क्योंकि इनमें विभक्ति, वचन, लिङ्ज, अथवा पुरुष के अनुसार परिवर्तन होता है।
7. अव्यय आदि शब्द निपात के अन्तर्गत आते हैं। ये अविकारी शब्द हैं। इनमें लिङग, विभक्ति, वचन के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता है।
8. सुबन्त व तिडन्त को पद कहा जाता है
9. क्रिया शब्दों को धातु कहा जाता है; जैसे पठ्, गम् आदि।
10. विभक्ति युक्त संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण शब्द शुभन्त कहलाते हैं। जैसे- रामः, कृष्णः आदि
11. तिङ प्रत्यय धातुएँ तिडन्त कहलाती है।
12. धातु व प्रत्यय के अतिरिक्त अर्थयुक्त सभी शब्द प्रातिपदिकम कहलाते हैं।
13. विशेषण का लिङग तथा वचन हमेशा विशेष्य के समान होता है।

14. किसी भी शब्द के अन्त में जो स्वर होता है वाह शब्द उसी स्वर के नाम से जाना जाता है; जैसे - 'राम अकारान्त शब्द है, 'लता' आकारान्त शब्द है तथा 'नदी' ईकारान्त शब्द है।